मोमिनो के अखलाक - मुनाफिक की निशानिया और उस्का हसर

मौलाना जलील अहसन नदवी रह. राहे अमल हिन्दी.

'नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.'

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

मोमिनो के अखलाक

मिश्कात; रावी हज़रत अनस रदी.

खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया तीन चिझे मोमिनाना अखलाक में से है, एक ये की जब किसी को गुस्सा आए तो उस्का गुस्सा उस्से नाजाइज़ काम ना कराये, दूसरी ये की जब वो खुश हो तो उस्की खुशी उसे हक्के दायरे से बाहर ना निकाले, और तीसरी बात ये की कुदरत रखने के बावजूद दूसरे की चीझ ना हथिया ले जिस्के लेने का उसे हक नहीं है.

मुनाफिक की निशानिया

बुखारी व मुस्लिम; रावी हज़रत अब्दुल्लाह बिन अमर रदी.

खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की चार बाते जिस शख्स में होंगी वो पक्का मुनाफिक होगा और जिस शख्स के, अन्दर

उन्मे से कोई एक आदत होगी तो उस्के, अन्दर निफाक की एक आदत होगी, यहा तक की उस्को छोड दे, वो चार आदते ये है, जब उस्के पास कोई अमानत रखी जाए तो वो खयानत करे, जब बात करे तो झूठ बोले, जब वादा करे तो उसे पूरा ना करे, जब किसी से उस्का झगडा हो जाए तो गाली पर उतर आए.

मुनाफिक का हसर

मुस्लिम; रावी हज़रत अबू हुरैरा रदी.

खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ फरमाते है कयामत के दिन एक बन्दा अल्लाह के सामने आएगा, अल्लाह उससे कहेगा ऐ फला क्या मैने तुझे इज़्ज़त नहीं दी थी? क्या तुझे बीबी नहीं दो थी? क्या तेरे कब्जे में घोडे और उँट नहीं दिये थे? और क्या हमने तुझे मोहलत नहीं दि थी? तू अपनी हुकूमत चलाता और लोगों से मालिया वुसूल करता था? वो उन नेमतो को स्वीकार करेगा फिर अल्लाह उससे पूछेगा क्या तू समझता था की एक दिन हमारे सामने पेश होगा? वो कहेगा नहीं, तो अल्लाह उससे कहेगा जिस तरह तूने मुझे दुनिया में भुलाए रखा उसी

तरह आज में तुझे भुला दूंगा.

फिर ऐसा ही एक दूसरा कयामत का इन्कार करने वाला अल्लाह के सामने आएगा और उससे भी इसी तरह सवाल होगा.

फिर एक तीसरा शख्स पेश होगा और अल्लाह उससे वही सवालात करेगा जो पहले दोनों आदमियों से किए थे (जो काफिर थे तो ये जवाब में कहेगा, ऐ मेरे रब में तुझ पर, तेरी किताब पर और तेरे रसूलों पर ईमान लाया था, में नमाज पढता था, रोजे रखता था तेरी राह में अपनी दौलत खर्च करता था. आपﷺ ने फरमाया और उसी तरह पूरी कुव्वत से अपने और बहुत से नेक काम गिनाएगा, तब अल्लाह उससे कहेगा बस रूक जाओ.

फिर अल्लाह फरमाएगा, हम अभी तेरे खिलाफ गवाही देने वाला बुलाते है तो वो अपने दिल में सोचेगा की भला वो कौन है, जो मेरे खिलाफ गवाही देगा.

फिर उस्के मुंह को मुहर लगा कर बन्द कर दिया जाएगा क्योकि ये अल्लाह के सामने भी झूठ बोलने से ना शर्माएगा जिस तरह दुनिया में नबी और मोमिनीन के सामने बेशर्मी से

जूठी पवित्रता का ढंढोरा पीटा करता था, और उसकी रान, गोश्त और हड्डियों से पूछा जाएगा तो वो सब उस शख्स के एक एक मक्काराना अमल को ठीक-ठीक बयान कर देंगे और इस तरह अल्लाह बातें बनाने का दरवाजा बन्द कर देगा.

आपﷺ ने फरमाया ये वो आदमी है जिसने दुनिया में मुनाफिकत की और ये शख्स है जिस पर अल्लाह का गजब हुवा.